No. of Printed Pages : 4

MPSE-004

MASTER OF ARTS
(POLITICAL SCIENCE)

07412

Term-End Examination

June, 2012

MPSE-004 : SOCIAL AND POLITICAL THOUGHT IN MODERN INDIA

Time : 2 hours *Maximum Marks : 50*

*Note : Attempt **five** questions in all, selecting at least **two** from each section. Each question is to be answered in about **400** words. All questions carry **equal** marks.*

SECTION-I

1. Discuss the religion - polity interface in pre-modern Indian political thought.

2. Describe the anti-imperialist movements in Muslim thought in colonial India.

3. Write a note on Sri Aurabindo's critique of political moderates in India,

4. Examine Bhai Kahn Singh Nabha's views on Hindu-sikh relations.

5. Explain Gandhi's concept of Swaraj.

SECTION-II

6. What were the salient features of B.R. Ambedkars' ideological orientation ? Explain.

7. Examine Rabindranath Tagore's critique of nationalism.

8. Trace the evolution of communist movement in India.

9. Discuss M.N. Roy's humanist critique of Marxism.

10. Describe the salient features of Lohia's thought.

स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (राजनीति शास्त्र)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2012

एम.पी.एस.ई.-004 : आधुनिक भारत में सामाजिक और राजनीतिक चिंतन

समय : 2 घंटे *अधिकतम अंक :50*

टिप्पणी : कुल ***पाँच*** प्रश्नों के उत्तर दीजिये, प्रत्येक खण्ड में से कम-से-कम **दो** प्रश्न चुनते हुये। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग ***400*** शब्दों में दें। सभी प्रश्नों के ***अंक समान*** हैं।

खण्ड-I

1. पूर्व आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतन के संदर्भ में धर्म-राजनीतिक व्यवस्था के अंत: सम्बंध की चर्चा करें।

2. उपनिवेशिक भारत में मुस्लिम चिंतन की साम्राज्यवाद विरोधी प्रवृत्तियों का वर्णन करें।

3. भारत में राजनीतिक नरमपंथियों की श्री अरोबिंदो द्वारा समालोचना पर एक लेख लिखें।

4. हिंदू-सिख सम्बंधों पर भाई काहन सिंह नाभा के विचारों का परीक्षण करें।

5. गांधी की स्वराज की अवधारणा की व्याख्या करें।

खण्ड-II

6. बी.आर. अम्बेडकर के वैचारिक रुझान के प्रमुख लक्षण क्या थे? व्याख्या करें।

7. रवींद्रनाथ टैगोर की राष्ट्रवाद की समालोचना का परीक्षण करें।

8. भारत में साम्यवादी आंदोलन के विकास को रेखांकित करें।

9. मार्क्सवाद की एम. एन. रॉय की मानवतावादी समालोचना की चर्चा करें।

10. लोहिया चिंतन के प्रमुख लक्षणों का वर्णन करें।